NEXT
NEWS EXCELLENT TODAY

श्रेष्ठ सुप्रभात

सभी को सारी खुशियाँ मिलना मुश्किल है, इसलिए जो भी खुशी मिले, उसी में संतुष्ट रहो।

-आचार्य महाश्रमण

तापमान (डिग्री सेल्सियस)

	अधिकतम	न्यूनतम
श्री डूंगरगढ़	18.0	10.0
बीकानेर	17.0	7.0
जयपुर	21.0	14.0

E- Paper NEXT 0016

newsexcellenttoday.com | 27 दिसंबर 2024, शुक्रवार | मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष त्रयोदशी - 2081

जैन साधु- साध्वियों का आध्यात्मिक मिलन हुआ
संतों के आगमन से समाज में उल्लास

NEXTI श्रीडूंगरगढ़ कस्बे में गुरुवार सुबह 10:30 बजे जैन मुनियों का प्रवेश हुआ। आचार्य महाश्रमण के शिष्य मुनि देवेंद्र कुमार और मुनि आर्जव कुमार ने गुरुवार सुबह 9 बजे बीदासर रोड स्थित पुगलिया फार्महाउस से विहार किया। मुनिद्वय घुमचक्कर होते हुए मुख्य बाजार और वहां से तेरापन्थ भवन धोलिया नोहरा पहुंचे। भवन में पदार्पण पर जैन तेरापन्थ समुदाय के अनुयायियों द्वारा मुनिद्वय का भावभीना स्वागत किया गया। साध्वी सेवा केंद्र व्यवस्थापिका साध्वी कुंथुश्री और साध्वी संघप्रभा ने सहवर्ती साध्वियों के साथ मुनिद्वय से आध्यात्मिक मिलन करते हुए उनके विहार की कुशलक्षेम पूछी। इस दौरान सभा मंत्री प्रदीप पुगलिया, दीपक सेठिया, तोलाराम पुगलिया, अशोक बैद, महेन्द्र मालू, छोटू दुगड़, सुरेश भादानी, मनीष नौलखा, सुनीता डागा, अम्बिका डागा, विशाल बोथरा, रतनलाल गंग, सुमित बरड़िया, सम्पत देवी मालू, मुस्कान मालू, अजय बोथरा, मनीष पटावरी सहित अनेकों श्रद्धालु मौजूद रहे। शुक्रवार को सुबह मुनिद्वय का विहार कालू के लिए होगा

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र में निधन हो गया। गुरुवार रात अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया था।

देश के आर्थिक सुधारों के लिए याद किए जाएंगे

डॉ. मनमोहन सिंह भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और जाने-माने अर्थशास्त्री थे। उन्होंने 1991 में देश के आर्थिक सुधारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वित्त मंत्री के रूप में, उन्होंने उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीतियों को लागू किया, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिली। उन्हें उनके योगदान के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिसमें पद्म विभूषण भी शामिल है।

मनमोहन सिंह का अकादमिक और राजनीतिक सफर

- 1957 से 1965- चंडीगढ़ के पंजाब विश्वविद्यालय में अध्यापक बने।
- 1969 से 1971- दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अन्तरराष्ट्रीय व्यापार के प्रोफेसर रहे।
- 1976- दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में मानद प्रोफेसर बने।
- 1982 से 1985- भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे।
- 1985 से 1987- योजना आयोग के उपाध्यक्ष रहे।
- 1990 से 1991- प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार रहे।
- 1991- नरसिंहराव सरकार में वित्त मंत्री बने।
- 1991- पहली बार असम से राज्यसभा के सदस्य बने।
- 1996- दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में मानद प्रोफेसर बने।
- 1999- दक्षिण दिल्ली से लोकसभा का चुनाव लड़ा लेकिन हार गए।
- 2001- तीसरी बार राज्यसभा सदस्य बने और सदन में कांग्रेस की ओर से विपक्ष के नेता बने।
- 2004 से 2014- भारत के प्रधानमंत्री रहे।
- 2019-2024 छठी बार राज्यसभा के सदस्य रहे।

उद्योगपति भंडारी ने तुलसी सेवा संस्थान के कार्यों को सराहा, बताया समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत

NEXTI श्रीडूंगरगढ़ स्थित तुलसी सेवा संस्थान में हैदराबाद के प्रतिष्ठित उद्योगपति महेंद्र भंडारी अपनी पत्नी प्रवीणा भंडारी के साथ पहुंचे। संस्थान के अध्यक्ष भीखमचंद पुगलिया ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। अस्पताल के प्रशासक सूर्य प्रकाश गांधी ने भंडारी दंपत्ति को अस्पताल परिसर का अवलोकन करवाया और यहां संचालित विभिन्न चिकित्सा गतिविधियों और अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की जानकारी दी।

तुलसी सेवा संस्थान की चिकित्सा सुविधाओं और सेवा प्रकल्पों को देखकर भंडारी दंपत्ति ने इसकी

प्रशंसा की और कहा कि संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्य अन्य सेवा संस्थानों के लिए प्रेरणादायक हैं। इस अवसर पर श्रीडूंगरगढ़ की सभाध्यक्ष सुशीला पुगलिया भी उपस्थित रहीं।

बलदेवा का हुआ भव्य नागरिक अभिनंदन
श्रीडूंगरगढ़ की मिट्टी से मुझे प्रेरणा मिलती है: बलदेवा

NEXTI श्रीडूंगरगढ़ की बेटी और प्रसिद्ध उद्यमी भगवती बलदेवा और भामाशाह महेश बलदेवा के साथ भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। श्रीडूंगरगढ के माहेश्वरी सेवा सदन में आयोजित सम्मान समारोह में बलदेवा दंपति को उनकी अद्वितीय उपलब्धियों के लिये सैकड़ों प्रवासी राजस्थानी उद्योगपतियों, कारोबारियों और प्रसिद्ध कथावाचक डॉ रामप्रसाद महाराज की मौजूदगी में सम्मानित किया गया। समारोह में श्रीडूंगरगढ़ और सुरजनसर बास के करीब 125 परिवारों की उपस्थिति भी रही। जो देश दुनिया से खास तौर पर इस कार्यक्रम में पहुंचे। इस भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह में श्रीडूंगरगढ़ के सैकड़ों की तादाद में लोग शामिल हुए। इस मौके पर श्रीडूंगरगढ़ की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने बलदेवा दंपति को सम्मानित करते हुए उनकी उद्यमशीलता व समाज सेवा

में योगदान को सराहा और उनकी उपलब्धियों की प्रशंसा की। समारोह में भगवती बलदेवा ने अपने संबोधन में कहा कि देश और दुनिया में सम्मान मिलता रहा है, लेकिन अपनी जन्मस्थली पर इस तरह का नागरिक अभिनंदन मेरे लिए सौभाग्य और गर्व की बात है। श्रीडूंगरगढ़ की मिट्टी से मुझे जो ताकत और प्रेरणा मिली है, उसी ने मुझे इस मुकाम तक पहुंचाया है।

निजी खेत में वन्य पशु रोझ के मौत की सूचना

NEXTI श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र में एक ही जगह के पास 7दिनों में दूसरी बार एक वन्य पशु रोझ (नीलगाय) के मौत की सूचना सेवादारों को मिली। सूचना पर सेवादार मौके पर पहुंचे तो सालासर रिड़ी कच्चे मार्ग पर एक निजी खेत में एक रोझ मरा हुआ मिला। सेवादार ने बताया कि रोझ के सिर में एक गहरा घाव है जो गले तक है। और लोगों ने बताया कि कोई गोली चलने जैसी आवाज भी इस दौरान सुनी गई थी। तो अनुमान लगाया जा रहा है कि वन्यपशु रोझ का कहीं गोली मारकर शिकार तो नहीं किया गया या खेत को बचाने के लिए किसान द्वारा यह कदम तो नहीं उठाया गया?

बिजनेस प्लस

इलेक्ट्रिक वाहनों के शो रूम का उद्घाटन हुआ

श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्रवासियों के लिए पर्यावरण संरक्षण का मौका

NEXTI बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण और पेट्रोलियम ईंधन की दरों के बीच श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्रवासियों के लिए एक सुखद खबर आई है। श्रीडूंगरगढ़ पंचायत समिति के सामने ओला कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहनों का नया शोरूम का उद्घाटन भव्य आयोजन के साथ हुआ। इस उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में स्टोर मैनेजर रोहित यादव, कालूराम बाना, भंवरलाल गोदारा, राजाराम गोदारा, गजु माली, सुनील सुथार, रामनिवास भारी और आयूब तंवर की उपस्थिति रही।अतिथियों ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने से ना केवल प्रदूषण कम होगा, बल्कि क्षेत्र के लोग ईंधन की बढ़ती कीमतों से भी राहत पा सकेंगे।

NEXT सावधान! फर्जीवाड़ा पड़ेगा महँगा, जाने कानूनी राय

हम इसे एक उदाहरण से समझेंगे जैसे कि एक व्यक्ति ने किसी से ₹10000/रुपये उधार लेने की लिखित लिखकर दी। जिस व्यक्ति ने ₹10000रुपये उधार दिए थे, उसने बेईमानी से ₹10000/-रुपये की राशि में एक शून्य बढ़ा दिया ताकि वह व्यक्ति ₹100000/- रुपये लेने का अधिकारी हो जाये। ऐसे में अब कहा जाएगा कि उसे व्यक्ति ने शून्य बढ़ाकर फर्जीवाड़ा किया है। **धारा 336** में कूट रचना को फर्जीवाड़ा बताया गया है।

कोई व्यक्ति फर्जीवाड़ा किसी व्यक्ति को नुकसान या क्षति पहुंचाने या किसी हक का अधिकार हासिल करने या धोखा देने के आशय से करता है तो **धारा 336 (3)** के अंतर्गत दोषी व्यक्ति को 7 साल की सजा और जुर्माने से दंडित किया जा सकता है।

धारा 338 के अंतर्गत कोई व्यक्ति वसीयत/ गोदनामा/ विक्रियपत्र/ दान पत्र/ चेक/ प्रॉमिससरी नोट /रसीद आदि के संबंध में फर्जीवाड़ा करता है तो उसे आजीवन कारावास और जुर्माने से दंडित किया जावेगा।

धारा 343 के अनुसार अगर कोई व्यक्ति वसीयत/गोदनामा/विक्रय पत्र आदि मूल्यवान दस्तावेजों को कपटपूर्वक आशय से रद्द या नष्ट करता है तो उसे आजीवन कारावास से दंडित व जुर्माने से दंडित किया जा सकता है।

धारा 339 के अनुसार अगर कोई व्यक्ति फर्जी दस्तावेज को असली रूप में काम में लेने के उद्देश्य से अपने कब्जे में रखता है तो उसे 7 साल के कारावास व जुर्माने से दंडित किया जा सकता है।

धारा344 के अनुसार कोई लिपिक/अधिकारी/कर्मचारी किसी अकाउंट या बहीखाता जानबूझकर कपटपूर्वक आशय से नष्ट करेगा या उनमें परिवर्तन करेगा तो उसे 7 साल के कारावास व जुर्माने से दंडित किया जाएगा।